चल भोले के द्वार ठिकाना पाएगा | By Lakhbir Singh Lakha |

चल शिवजी के द्वार ठिकाना पाएगा,
तू रत्नों का भंडार खजाना पाएगा,
खुशियों का उपहार मनमाना पाएगा,

चल भोले के द्वार ठिकाना पाएगा,
तू रत्नों का भंडार खजाना पाएगा,
खुशियों का उपहार मनमाना पाएगा,

मत फिरना बेकार जगत में,
माया के जंजालों में,
बीत रहे दिन व्यर्थ तुम्हारे,
पल-पल क्षण-क्षण सालों में।
नर तन क्या हर बार दीवाना पाएगा,
चल शिवजी के द्वार ठिकाना पाएगा,
तू रत्नों का भंडार खजाना पाएगा,
खुशियों का उपहार मनमाना पाएगा।
चल भोले के द्वार ठिकाना पाएगा...

कर ले सुमिरन प्रेम लगन से,
शिव शंकर वरदानी का,
नाम ज़रा तू जप ले मन से,
भोले अघड़ दानी का।
मुक्ति का तू द्वार मस्ताना पाएगा,
चल भोले के द्वार ठिकाना पाएगा,
तू रत्नों का भंडार खजाना पाएगा,
खुशियों का उपहार मनमाना पाएगा।
चल शिवजी के द्वार ठिकाना पाएगा...

ठोकर खाते हैं दुनिया में,
वही मूर्ख प्राणी हैं,
शिव चरणों को छोड़ के शर्मा,
करते जो मनमानी हैं।
उनको ये संसार समझा न पाएगा,
चल भोले के द्वार ठिकाना पाएगा,
तू रत्नों का भंडार खजाना पाएगा,
खुशियों का उपहार मनमाना पाएगा।

चल शिवजी के द्वार ठिकाना पाएगा,
तू रत्नों का भंडार खजाना पाएगा,
खुशियों का उपहार मनमाना पाएगा।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9a%e0%a4%b2-%e0%a4%ad%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a5%8d%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%a0%e0%a4%bf%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%aa%e0%a4%be/